STRIKE ON 15th DECEMBER

The NFTE BSNL and BSNL workers Alliance have decided to organize one day strike on 15th December to oppose the move of Govt. to retrench one lakh employees through VRS, Disinvestment and systematic efforts of DoT to make BSNL financially unviable and bankrupt. The axe has now started falling on workers as well. Therefore, we have to stand up before it becomes too late. The management has arbitrarily withdrawn the facilities of LTC, encashment of leave and Medical Allowance without vouchers. ***The management also denied 78.2% IDA fixation at the time of wage revision agreement resulting much monetary loss to the employees every month. The issue could not be clinched at the time of wage revision due to fact that the recognized union failed to evolve unity of all non-executive unions as in the past. The BSNL workers could not get Bonus for last two years.***

The revenue of company has declined much and today it is running in loss. It is due to inept handling of affairs by management and hostility of Govt. The Corporate HQR has miserably failed to procure GSM equipments, Modem 2, Drop wires, cables etc. seriously affecting the expansion of Telecom services. The private operators have been allowed to capture market Causing fall in BSNL's market share and revenue. The DOT has emptied the coffer of BSNL by forceful realization of 3G and BWA spectrum charges. ADC and reimbursement of license fee to BSNL have been stopped by DoT.

The BSNL administration is not maintaining communication with more than one lakh employees. Unhealthy atmosphere is being created in the field. The grievances of the employees of more than 50%, and not belonging to recognized union are not being redressed. Ironically such staff are targetted and harassed beyond description. BSNL administration has been almost silent spectator and not evolved mechanism for settlement of the problems of such employees.

There is stalemate at circle/SSA levels after completion of absorption process of ITS personnel Many SSA/circle heads are neglecting the service. This is unfair and undesirable. The stalemate should end sooner the better. Why absorbed group 'A' officers are not being given responsibility? Such raw treatment must end.

The BSNLWA and NFTE proposed to JAC for Indefinite strike during Parliament session as issues are very grave. The unions in JAC preferred one day strike. The NFTE is committed for unity of unions and joint struggle since its inception. Therefore, Head Quarter has decided to organize strike on 15th December.

BSNLWA and NFTE BSNL, therefore, call upon the workers to rise to the occasion and make the 15th December strike successful.

NFTE BSNL – Zindabad
BSNLWA – Zindabad
Workers Unity – Zindabad

15 दिसंबर को एक दिन की हड़ताल

एनएफटीई बीएसएनएल की अगुवाई में बना बीएसएनएल वर्कर्स एलायंस के संघों ने 15 दिसंबर को एक दिन की हड़ताल संगठित करने का निर्णय लिया हैं। यह हड़ताल वीआरएस प्रक्रिया द्वारा एक लाख कर्मचारियों की छंटनी, पूंजी विनिवेश तथा बीएसएनएल कंपनी को षडयंत्रों द्वारा दिवालिया करने के विरोध में है। कर्मचारियों की सुविधाओं को वापस लेना प्रारम्भ हो गया है। इन परिस्थितियों में हमारा खड़ा होना आवश्यक है अन्यथा देरी हो जाएगी। प्रबंधन ने मनमाने ढंग से एलटीसी, छुट्टी नगदीकरण तथा बिना वाउचर के मेडिकल सुविधाओं को छीन लिया हैं। ***वेतन संशोधन समझौते में कर्मचारियों को 78.2 प्रतिशत आईडीए निर्धारण से वंचित किया गया है। 78.2 प्रतिशत आईडीए निर्धारण का आदेश भारत सरकार, डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक इंटरप्राईज, का था जिसे सभी निगमों एवं उपक्रमों में लागू किया गया हैं। वेतन संशोधन के समय पूर्व की भांति मान्यता प्राप्त संघ संघों की एकता स्थापित करने में असमर्थ रहा जिसके कारण कर्मचारी 78.2 प्रतिशत आईडीए निर्धारण से वंचित हुए।*** कर्मचारियों को दो वर्षों से बोनस का भुगतान नहीं हुआ है।

सरकारी रवैये तथा कुप्रबंधन के फलस्वरूप वर्तमान में कंपनी हानि में है। प्रबंधन जीएसएम उपकरण, मॉडम 2, ड्रापवायर, केबिल्स आदि उपलब्ध करने में असफल रहा है जिसके कारण सेवाओं का विकास–विस्तार अत्याधिक बाधित हुआ है। इससे निजी कंपनियों ने मार्केट पर कब्जा जमा लिया है। बीएसएनएल के मार्केट शेयर तथा रेवेन्यू में भारी गिरावट हुई है। डीओटी कंपनी से 3जी तथा बीडब्ल्यूए स्पेक्ट्रम चार्जेज की वसूली करके इसके खजाने को खाली कर दिया है। बीएसएनएल को लाइसेंस फीस की वापसी तथा एडीसी के भुगतान को भी डीओटी ने बंद कर दिया है।

बीएसएनएल प्रशासन एक लाख से अधिक कर्मचारियों के साथ संवाद स्थापित करने में असफल है। इससे क्षेत्र में वातावरण दूषित हुआ है। ऐसे कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान तो दूर उन्हें प्रताड़ित तथा तंग किया जाता है। प्रशासन केवल मूकदर्शक बना है। ***कर्मचारियों की समस्याएं उपेक्षित हैं क्योंकि समाधान का सकारात्मक तथा ठोस ढाँचा नहीं बना है।***

आईटीएस अधिकारियों की ऐबजार्पशन प्रक्रिया की समाप्ति के पश्चात गतिरोध है। बहुत से एसएसए तथा सर्किल हेड्स सेवाओं के प्रति उदासीन रवैया अपनाए हुए हैं। यह अत्यंत अनुचित तथा अवांछनीय है। इस गतिरोध का शीघ्रता से अंत आवश्यक है। कार्पोरेट हेडक्वार्टर को तर्कसंगत तथा न्यायसंगत कार्यवाही करना चाहिए। आखिर बीएसएनएल में सम्मिलित ग्रुप 'ए' अधिकारियों को जिम्मेदारियां क्यों नहीं दी जा रही है?

बीएसएनएल वर्कर्स एलायंस तथा एनएफटीई ने जेएसी को संसद सेशन के समय अनिश्चितकालीन हड़ताल का सुझाव तथा प्रस्ताव किया था क्योंकि समस्याएं जटिल तथा गंभीर हैं। परंतु जेएसी के संघों ने एक दिन की ही हड़ताल को प्राथमिकता दी। एनएफटीई ने प्रारंभ से ही संघों की एकता तथा संयुक्त संघर्ष को प्राथमिकता दी है। ***अतः एनएफटीई हेडक्वार्टर ने 15 दिसंबर को एक दिन की हड़ताल को संगठित करने का निर्णय लिया है।***

अतः बीएसएनएल वर्कर्स एलायंस तथा एनएफटीई कर्मचारियों से 15 दिसंबर को हड़ताल संगठित करने तथा शामिल होने की पुरजोर अपील करता है।

एनएफटीई बीएसएनएल – जिंदाबाद
बीएसएनएल वर्कर्स एलायंस – जिंदाबाद
कर्मचारी एकता – जिंदाबाद